Nai Dunia (Indore), 31st January 2014, Page – 01

प्रो. सीएनआर राव ने आईआईटी कैंपस में कहा, रिसर्च में नहीं मिलता इंडस्ट्री का सहयोग

55 साल से 5 रुपए का इंतजार : प्रो.राव

अक्षय बाजपेयी >> इंदौर

प्रधानमंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार समिति के अध्यक्ष और अपनी बेबाक राय के लिए पहचाने जाने वाले भारतरत्न प्रो. सीएनआर राव ने गुरुवार को आईआईटी इंदौर में एक बार फिर देश के गंभीर मुद्दों को उठाया। उन्होंने रिसर्च से लेकर एजुकेशन सिस्टम तक की कमियां व उपलब्धियां गिनाईं।

रिसर्च इंडस्ट्री मदद नहीं करती

प्रो.राव ने कहा साइंस में रिसर्च के लिए पैसा काफी कम दिया जाता है। इंडस्ट्री से हमें 5 रुपए का सपोर्ट भी नहीं मिलता। पिछले 55 सालों से मुझे पांच रुपए भी नहीं मिले। मैं अभी भी उसके इंतजार में हूं। इसे आलोचना मत समझिएगा। उन्होंने दूसरे देशों का उदाहरण देते हुए कहा कि साउथ कोरिया में 45 से 50 फीसद रिसर्च इंडस्ट्री की मदद से होती है। हमें स्टूडेंट्स में क्रिएटिविटी के साथ साइंटिफिक एटीट्यूड डेवलप करने की जरूरत है।

एजुकेशन : युवाओं के लिए अवसर नहीं

स्कूल व कॉलेज के एजुकेशन सिस्टम की नाकामियां गिनाते हुए उन्होंने कहा कि आज देश में स्कूल व कॉलेज का एजुकेशन सिस्टम ऐसा है कि युवाओं के लिए अवसर ही नहीं हैं। स्कूल तो हर बच्चा जाता है, लेकिन क्रिएटिव पर्सन कुछ गिने-चुने ही बन पाते हैं। जो क्रिएटिव बनते हैं, वे कुछ डिफरेंट सोचते हैं। अमेरिका में अभी बहुत अच्छा माहौल है। वहां क्रिएटिव पर्सन्स की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। हमें भी इस तरह का माहौल तैयार करना होगा। इसके लिए पहली जरूरत पैसा है। एजुकेशन, साइंस से ही इंडिया का फ्यूचर ब्राइट हो सकता है।

नैनो टेक्नोलॉजी काम की जरूरत

मार्स मिशन के बारे में पूछने पर प्रो.राव ने कहा कि मंगल से बड़ी उपलब्धि हमारे लिए पोलर सैटेलाइट लांच व्हीकल (पीएसएलवी) व जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लांच व्हीकल (जीएसएलवी) की सफलता है। वे बोले कि इंडिया प्रोग्रेसिव कंट्री है। सीवी रमन जैसे ग्रेट लीडर यहां रहे हैं। हमें अभी नैनो टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में काफी काम करने की जरूरत है।

ग्रेफीन का हो सकता है उपयोग

आईआईटी के 'फ्रंटियर लेक्चर सीरीज इन केमेस्ट्री' में प्रो.राव ने 'ग्रेफीन एंड इनऑर्गेनिक ग्रेफीन एनलॉग' विषय पर लेक्चर दिया। उन्होंने कहा ग्रेफीन कार्बन डाइऑक्साइड को कंट्रोल करने के लिए ग्रेफीन का उपयोग हो सकता है, लेकिन इस पर अभी शोध बाकी है। प्रो. राव के साथ वैज्ञानिकों का एक दल भी आया है। स्पेशल लेक्चर में तकरीबन 200 लोगों ने भाग लिया। ऑडिटोरियम के बाहर लगी स्क्रीन पर भी विद्यार्थियों ने प्रो. राव को लाइव देखा-सुना।

आज डेली कॉलेज में

प्रो. राव शुक्रवार को डेली कॉलेज में सुबह 9 से 11 बजे साइंस पर लेक्चर देंगे। इसमें शहर के एक हजार से अधिक स्कूल स्टूडेंट्स हिस्सा लेंगे। प्रो. राव की पत्नी इंदुमति राव नैनो वर्ल्ड पर स्टूडेंट्स से बात करेंगी।

युवाओं को क्रिएटिव माहौल दें

लोगों में ईर्ष्या नहीं होना चाहिए। एक-दूसरे की उन्नति से खुश होना जरूरी है। विवेकानंद ने भी यही संदेश दिया था। प्रो. राव ने कहा कि भारत सबसे ज्यादा युवाओं वाला देश है। 2050 तक हम यह रिकॉर्ड बरकरार रखेंगे। आज के लाखों युवाओं को क्रिएटिव माहौल देने की जरूरत है। उन्होंने कहा मैं युवाओं के लिए चिंतित हूं। देश में क्रिएटिविटी की कमी है। गांधी, विवेकानंद की तरह अलग सोच व नए आइडिया से भारत का भविष्य चमक सकेगा।

युवाओं को दी नसीहत

प्रो.राव ने कहा कि वे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स के इस्तेमाल के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन बिना काम के गैजेट्स का उपयोग करना सही नहीं। उन्होंने कहा कि आजकल युवा घंटों फोन पर बिता देते हैं। कैलकुलेशन खुद करने के बजाय कंप्यूटर पर ज्यादा किया जाता है। इससे सोचने, समझने की क्षमता पहले के मुकाबले कम हो रही है। उन्होंने कहा कि आम लोगों में साइंस के प्रति जागरूकता काफी कम है। लोग विज्ञान से जुड़ी बातें जानना नहीं चाहते।